SAC-110

M. A. (Fourth Semester) Examination, 2020

(CBCS)

SANSKRIT

Paper : First

(रूपक)

Maximum Marks : 60

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. मृच्छकटिकम् ग्रंथ के अनुसार तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का वर्णन कीजिये।

2. रत्नावली नाटिका के आधार पर उदयन एवं रत्नावली का चरित्र-चित्रण कीजिये।

3. 'मृच्छकटिकम्' का नायक अपनी दरिद्रावस्था से अत्यंत दु:खी था। ग्रंथ के आधार पर स्पष्ट कीजिये।

4. 'रत्नावली' नाटिका की कथावस्तु अंकों के आधार पर लिखिये।

5. निम्नलिखित दोनों पद्यों की सन्दर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिये—

1. लिम्पतीव तमोऽङ्गानि वर्षतीवाञ्जनं नभ:।
   असत्पुरूषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता॥

2. कण्ठे श्रीपुरूषोन्तमस्य समरे दृष्टवा मणि शत्रुभि-
   र्नष्टं मन्त्रबलाद्वसन्ति वसुधामूले भुजङ्गा हता:।
   पूर्वं लक्ष्मणवीरवानरभटा ये मेघनादाहता:
   पीत्वा तेऽपि महौषधेर्गुणनिधेर्गन्धं पुनर्जीविता:॥

https://www.rdvvonline.com